दैनिक भास्कर sunday

भिलाई-रायपुर | 10 जनवरी 2010

रोबोटिक्स क्षेत्र के महारथियों का हुआ संगम

सिटी रिपोर्टर. भिलाई

रूंगटा कालेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालाजी के मैकेनिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के शोध विशेष स्व. एसी राव की स्मृति में प्लानर पैरेलल रोबोट्स एंड मेकेनिज्म विषय पर आयोजित नेशनल सिंपोजियम व कार्यशाला का समापन शनिवार को हो गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिल्ली आईआईटी के प्रोफेसर एसके साहा थे। राष्ट्रीय स्तर सिंपोजियम में छत्तीसगढ़ सहित देश के विभिन्न राज्यों से कई इंजीनियरिंग कालेजों के अध्यापकों, शोधकर्ताओं और छात्रों ने हिस्सा लिया। वे रोबोटिक्स क्षेत्र की नवीनतम तकनीकों से परिचित हुए। इस दौरान रोबोटिक्स क्षेत्र में रिसर्च टेक्निक्स पर प्रतिभागियों ने पेपर प्रेजेंटेशन दिया। वर्कशाप में वेल्होर से आए प्रोफेसर बीवीए राव ने उच्च शिक्षा पर शिक्षाप्रद प्रेजेंटेशन दिया। एनआईटी राउरकेला के डॉ श्रीनिवास का प्लानर रोबोट्स ने लोगों को काफी प्रभावित किया।

कार्यक्रम में एसके साहा ने पाजिटिव थिंकिंग पर जोर देते हुए कहा कि हमारे देश में तकनीकी क्षेत्र में शोध कार्यों पर तेजी लानी है तो पाजिटिव सोचना होगा। उन्होंने कहा कि इस सिंपोजियम में प्रतिभागियों की उपस्थिति व रोबोटिक्स विषय के प्रति जानने की उत्सुकता पर संतोष जाहिर किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में सिम्पोजियम के कोआर्डिनेटर डॉ. शिवनाथ ने गतिविधियों का विस्तृत ब्यौरा दिया और जीडीआर एजुकेशनल सोसाइटी को इस समारोह के आयोजन के लिए आभार प्रकट किया। जीडीआर एजुकेशनल सोसाइटी के चेयरमेन संतोष रुंगटा ने कहा कि यह रुंगटा कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालाजी के लिए गौरव का विषय है कि आईआईटी तथा एनआईटी जैसे कालेजों के लिए इंटरनेशनल कांफ्रेंस आयोजित करने वाली एसोसिएशन आफ मेकन्जिम एंड मशीन ने हमारे कालेज को स्व. एसी राव की स्मृति में आयोजित इस सिम्पोजियम को प्रायोजित किया है।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में ऐसे और भी आयोजन एएमएम इंडिया के सहयोग से आयोजित किए जाएंगे। जिससे राज्य के उच्च तकनीकी शिक्षा से जुड़े सभी लोग लाभांवित होंगे। कार्यक्रम के विशेष अतिथि छग शासन के पूर्व डायरेक्टर टेक्निकल एजुकेशन डॉ. डीएस बल ने स्व. एससी राव का स्मरण करते हुए उन्हें उच्च तकनीकी शिक्षा का समर्पित व्यक्ति बताया। उन्होंने कहा कि एससी राव की स्मृति में रूंगटा समूह द्वारा रोबोटिक्स और मेकन्जिम के क्षेत्र में दी गई यह चिंगारी छत्तीसगढ़ राज्य में इस विषय में किए जा रहे शोध कार्यों के लिए भविष्य में बहुत महत्वपूर्ण साबित होगी। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि श्री साहा ने प्रतिभागियों को सार्टिफिकेट दिए। इस दौरान रूंगटा कालेज के डायरेक्टर सहित स्टाफ मौजूद था।